15-03-26 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "अव्यक्त-बापदादा" रिवाइज: 24-03-09 मधुबन

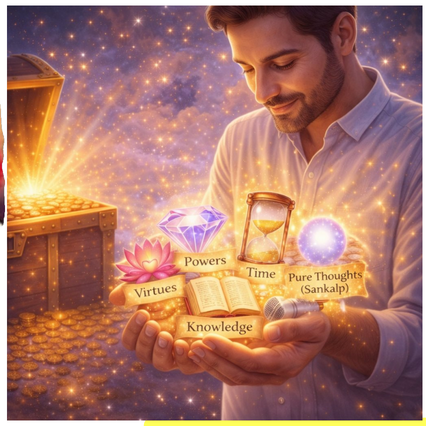

बापदादा द्वारा मिले हुए खजानों को स्वयं में समाकर कार्य में लगाओ, अनुभव की अथॉरिटी बनो

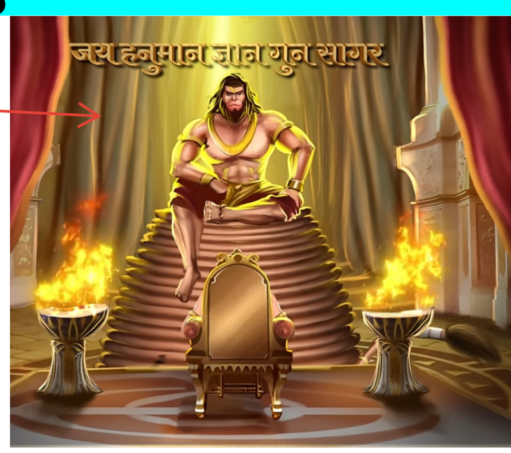

With the Authority given by World Almighty, Give open challang to maya/Ravan
"I am Invincible"

The Result

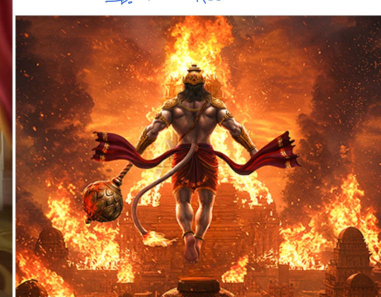

आज चारों ओर के सर्व खजाने जमा करने वाले सम्पन्न बच्चों को देख रहे हैं। साथ-साथ हर एक बच्चे ने कहाँ तक सर्व खजाने जमा किये हैं, उसकी रिजल्ट देख रहे थे। खजाने तो बापदादा द्वारा बहुत अविनाशी प्राप्त हुए हैं। सबसे पहले बड़े ते बड़ा खजाना है 1. ज्ञान धन, जिससे मुक्ति और जीवनमुक्ति की प्राप्ति हुई है। पुरानी देह और पुरानी दुनिया से मुक्त जीवनमुक्त स्थिति और मुक्तिधाम में जाने की, सभी बच्चों को प्राप्त है। साथ में एक ज्ञान का खजाना नहीं लेकिन 2. योग का भी खजाना है जिससे सर्व शक्तियों की प्राप्ति होती है। साथ-साथ 3. धारणा

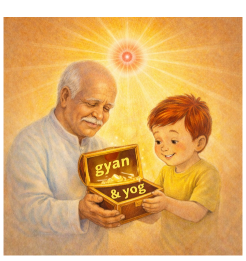

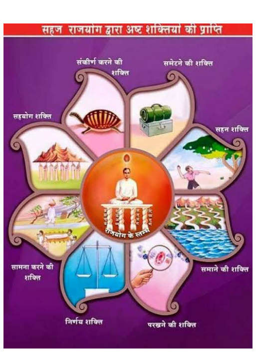

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

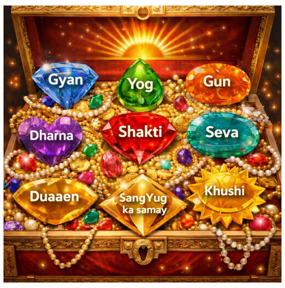

never ever underestimate the power of सेवा

करने का खजाना, जिससे सर्व गुणों की प्राप्ति होती है। साथ साथ सेवा का खजाना जिससे दुआओं का खजाना, खुशी का खजाना प्राप्त होता है। साथ-साथ सबसे बड़े ते बड़ा खजाना वर्तमान संगमयुग का है, समय का है क्योंकि सारे कल्प में यह संगम का समय अमूल्य खजाना है। इस संगम के समय का एक एक संकल्प वा एक एक घड़ी बहुत अमूल्य है क्योंकि संगम समय पर ही बापदादा और बच्चों का मधुर मिलन होता है और कोई भी युग में परमात्म बाप और परमात्म बच्चों का मिलन नहीं होता। साथ-साथ संगम समय ही है जिसमें बापदादा द्वारा सर्व खजाने प्राप्त होते हैं। खजाना जमा होने का समय संगमयुग ही है और कोई भी युग में जमा का खाता, जमा करने की बैंक ही नहीं है। सिर्फ एक संगमयुग है जिसमें जितना खजाने जमा करने चाहो उतना कर सकते हो और इस संगम समय का जो महत्व है वह यही है कि एक जन्म में अनेक जन्मों के लिए खजाना जमा कर सकते हैं इसलिए यह छोटे से युग का बहुत महत्व है और खजाने भी बापदादा द्वारा सभी बच्चों को प्राप्त होते हैं। बाप सभी को देते हैं लेकिन खजाने को जमा करने में हर एक बच्चा अपने पुरुषार्थ अनुसार करता है। बाप देने वाला

So, Value this Time

m.m.m....imp.

जागो जागो, समय पहचानो...

Now or Never..

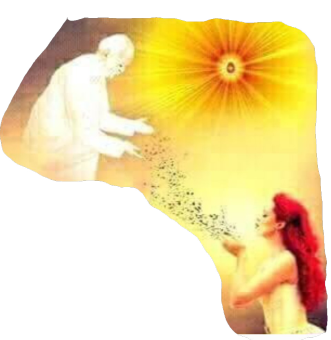

Most imp

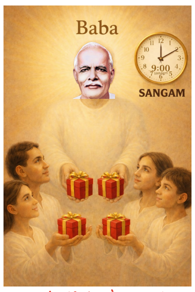

Equal opportunity For All

भी एक है और एक जैसा सबको देता है, एक ही समय पर देता है लेकिन धारण करने में क्या देखा कि बाप ने एक जैसा दिया लेकिन धारण करने में हर एक का अपना-अपना पुरुषार्थ रहा क्योंकि

Point to be Noted

खजाने को धारण करने के लिए एक तो अपने पुरुषार्थ से प्रालब्ध बना सकते हैं, दूसरा सदा स्वयं सन्तुष्ट रहना और सर्व को सन्तुष्ट करना, सन्तुष्टता की विशेषता से खजाना जमा कर सकते हो और तीसरा सेवा से क्योंकि सेवा से सर्व आत्माओं को खुशी की प्राप्ति होती है तो खुशी का खजाना प्राप्त कर सकते हो। 1. अपना पुरुषार्थ और 2. सर्व को सन्तुष्ट करने का पुरुषार्थ और तीसरा 3. सेवा का पुरुषार्थ। इन तीनों प्रकार से खजाने जमा कर सकते हो।

18-01-80 "अव्यक्त-बापदादा"

तो सभी ऐसे सेवाधारी हो ना।

Question: 108 की माला के नंबर कैसे announce होंगे?

Answer:-

प्लैन अच्छे बनाये हैं अभी प्रैक्टिकल की लिस्ट आयेगी। जैसे प्लैन की फाइल आ गई वैसे प्लैन की रिजल्ट आयेगी। अच्छा - सभी 108 की माला में आने वाले हो ना। सब एनाउन्स ऑटोमेटिकली हो जाएगा। अपनी सीट हरेक लेते हुए अपना नम्बर एनाउन्स करेंगे। सेवा ही सीट नम्बर एनाउन्स करेगी। सेवा माईक बनेगी, मुख का माइक एनाउन्स नहीं करेगा।

Mind very Well

याद रहे...

Please, Don't Underestimate the Power of Seva.

दूसरों की सेवा में स्वयं का कल्याण स्वतः ही समाया हुआ है।

खजाने जमा करने में विशेष सम्बन्ध-सम्पर्क में आने में एक तो निमित्त भाव, निर्माण भाव, नि:स्वार्थ भाव, हर आत्मा प्रति शुभ भावना और शुभ कामना रखने की आवश्यकता है। अगर सेवा में वा सम्बन्ध-सम्पर्क में यह सब है तो (1) पुण्य का खाता और (2) दुआओं का खाता बहुत सहज जमा कर सकते हैं।

Call of time/समय की पुकार

पुण्य का खाता, दुआओं का खाता

very Easily

बापदादा सबके पोतामेल देख रहे थे तो क्या देखा? चारों ओर के बच्चों में नम्बरवार देखा। बाप एक है, एक ही समय पर देते हैं लेकिन जमा करने में दो प्रकार के बच्चे देखे - एक बच्चे तो जमा हुआ खजाना खाया, जमा भी किया और खाके खत्म कर देते हैं। दूसरे खाया, जमा किया और जमा करने में अटेन्शन देके बढ़ाया भी। खजाने बढ़ाने का साधन क्या है? बढ़ाने का साधन है जो खजाने मिले वह समय पर जो परिस्थिति आती है उस परिस्थिति अनुसार कार्य में लगाना। जो कार्य में लगाते हैं स्थिति द्वारा परिस्थिति को बदल सकते हैं उसका जमा होता है। जो कार्य में नहीं लगाते तो जमा नहीं होता है। तो हर एक अपने आपसे पूछो कि समय पर अपने प्रति वा दूसरों के प्रति कार्य में लगाते हो! जितना कार्य में लगायेंगे उतना बढ़ता जायेगा क्योंकि कार्य में लगाने से अनुभव होता जाता है। तो अनुभव की अथॉरिटी एड होती जाती है। तो चेक करो अपने आपसे पूछो कि यह सारे खजाने जमा हैं? और बढ़ाने का साधन समय पर कार्य में लगाते हैं? अनुभव की अथॉरिटी बढ़ती जाती है? क्योंकि अथॉरिटीज़ में सबसे ज्यादा अनुभव की अथॉरिटी गाई जाती है। तो हर एक को अपना खाता बढ़ाना है। चेक करना है क्योंकि

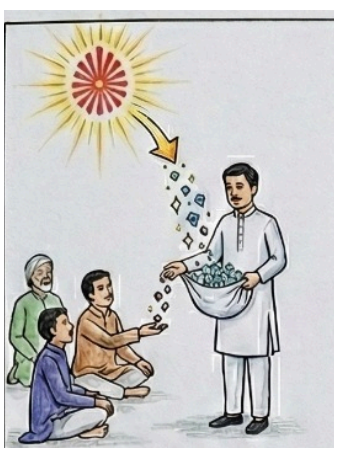

पुछो अपने आप से...

No one can defeat अनुभवी

पुछो अपने आप से...

"Information is not knowledge. The Only source of knowledge is experience."
- Albert Einstein

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

May I have your Attention Please..!

15-03-26 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "अव्यक्त-बापदादा" रिवाइज: 24-03-09 मधुबन

अचानक ही Time will be over

अभी समय है चेक करके अभी भी खजाने बढ़ा सकते हो। अभी चांस है फिर चांस भी खत्म हो जायेगा। चाहेंगे खजाना बढ़ायें लेकिन बढ़ा नहीं सकेंगे।

Take it Seriously..

इसको साधारण बात नही समझो

भी ग्रुप में अपने को परिवर्तित कर सकते हो। लेकिन कुछ समय बाद गैलप करने का समय भी समाप्त हो जायेगा और जिन्होंने जैसे और जितना पुरुषार्थ किया है, वे वहाँ ही रह जावेंगे। फिर चाहे कितनी भी एप्लीकेशन डालो लेकिन मंजूर नहीं होगी, मजबूर हो जायेंगे। AV: 30/5/74

मीठे बापदादा ने क्या देखा...?

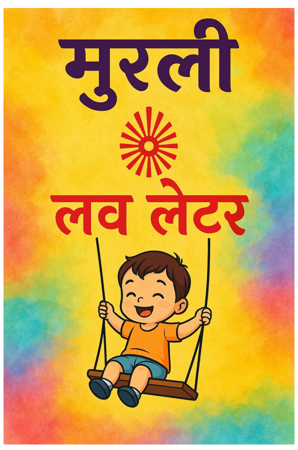

बापदादा ने देखा खजाना मिलता है, खुशी-खुशी से अपने में समाने का प्रयत्न भी करते हैं लेकिन खजाना जब मिलता है, मुरली द्वारा ही खजाने मिलते हैं तो दो प्रकार के बच्चे हैं - एक सुनने वाले और दूसरे हैं समाने वाले। कई बच्चे सुनके बहुत खुश होते हैं लेकिन सुनना और समाना, दोनों में बहुत फर्क है। समाने वाले अनुभवी बनते जाते हैं क्योंकि समाया हुआ समय पर कार्य में लगाते, खजाने को बढ़ाते रहते हैं। सुनने वाले वर्णन करते हैं, बहुत अच्छा सुनाया, बाबा ने बहुत अच्छी बात बोली, लेकिन समाने के बिना समय पर काम में नहीं ला सकते हैं। तो आप सभी चेक करो समाने वाले हैं! थोड़ा भी अगर कम होगा, भरपूर नहीं होगा तो हलचल होगी। लेकिन समाया हुआ फुल होगा तो हलचल नहीं होगी। इसलिए आज बापदादा ने सबके खजाने चेक किया। सुनाया ना -

Attention Please..!

Difference Between

Self Checking

Mind It...

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

समझा?

Homework

कि दो प्रकार के बच्चे हैं, अभी अपने आपको चेक करो मैं कौन? खजाने को बढ़ाना अर्थात् समय पर कार्य में लगाना। जितना कार्य में लगाते जाते उतना खजाना बढ़ता जाता है क्योंकि जो भी खजाना है, खजाने का मालिक खजाने को कार्य में लाता है, खजाना अपने को कार्य में नहीं लाता। तो आप सभी को सर्व खजाने बाप ने वर्से में दिया है। तो बाप के खजाने को अपना खजाना बनाना यह हर एक को अपना अटेन्शन देना है क्योंकि जितना खजाना भरपूर होगा उतना ही भरपूर अवस्था में अचल अडोल होंगे।

बापदादा हमसे क्या चाहते है?

रहमदिल मेरा बाबा

If you miss in this way you will miss it forever

So, Take it Seriously..

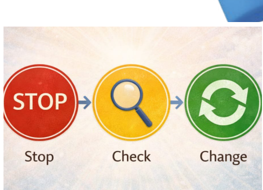

बापदादा यही चाहता है कि एक एक बच्चा सम्पन्न हो, कम नहीं हो क्योंकि यह चांस बाप द्वारा अविनाशी खाता जमा होना, यह सिर्फ अभी हो सकता है इसीलिए कहा हुआ भी है अभी नहीं तो कभी नहीं। यह संगम समय के लिए ही गायन है। भविष्य में तो जो जमा किया है उसका फल प्राप्त करेंगे लेकिन प्राप्ति का समय सिर्फ अब है। तो हर एक को अपना खाता देखना है। जिसका जितना भण्डारा भरपूर है उसके नयनों से, चलन से, चेहरे

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

समझा?

से मालूम होता है, उसकी चलन और चेहरा ऐसे लगेगा जैसे खिला हुआ गुलाब का पुष्प। बापदादा हर एक के चलन और चेहरे से देखता रहता कि कितना हर्षित, कितना खुशमिजाज़ रहता है! नयनों से रूहानियत, चेहरे से मुस्कराहट और कर्म से हर एक गुण सभी को अनुभव होता है! तो हर एक अपने आपको चेक करे।

-: Just an Example:-

Mind very well...

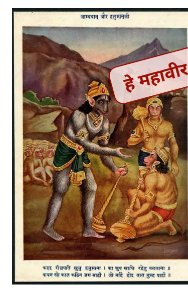

हे महावीर, अब तो जागो....

बापदादा हमसे क्या चाहते है?

बापदादा की हर एक बच्चे में यही शुभ भावना है कि हर एक बच्चा अनेक आत्माओं को ऐसा खजानों से सम्पन्न बनावे। आज विश्व की आत्मायें सभी यही चाहती हैं कि कुछ न कुछ आध्यात्मिक शक्ति मिल जाए। और आध्यात्मिक शक्ति के दाता आप ब्राह्मण आत्मायें ही हैं क्योंकि होलीएस्ट, हाइएस्ट और रिचेस्ट आप आत्मायें ही हैं। होलीएस्ट भी सब आत्माओं से ज्यादा आप हो। आप आत्माओं की पूजा जैसे विधिपूर्वक होती है, वैसे और किसकी भी नहीं होती। अभी लास्ट जन्म में भी आप आत्माओं की पूजा और कोई भी धर्मपिता वा महान आत्मायें जो निमित्त बनी हैं उन्हों की नहीं है। विधिपूर्वक पूजा भले यादगार

Call of time/समय की पुकार

जरा सोचो तो सही...
कौन हो तुम...

v/s

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

बनाते हैं लेकिन विधिपूर्वक पूजा नहीं होती। और आप जैसा खजाना रिचेस्ट इन दी वर्ल्ड, आप ब्राह्मण आत्माओं का एक जन्म का खजाना गैरन्टी है 21 जन्म चलना ही है क्योंकि बाप द्वारा, बाप का वर्सा मिला है। तो जैसे बाप अविनाशी है, वैसे ही बाप द्वारा मिला हुआ खजाना भी अविनाशी हो जाता है इसलिए रिचेस्ट इन दी वर्ल्ड, होलीएस्ट इन दी वर्ल्ड।

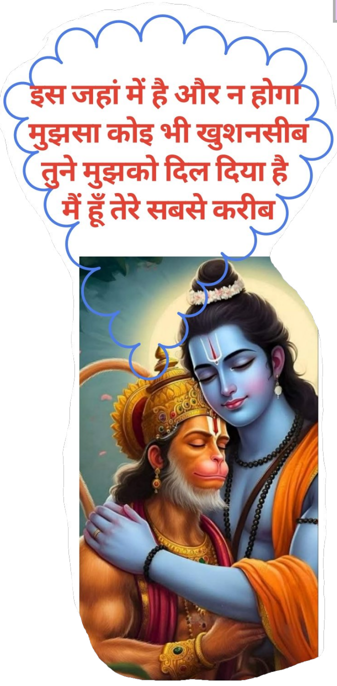

पुछो अपने आप से...

तो सभी अपने को ऐसे विशेष सेवाधारी समझते हो ना! आज के समय अनुसार विश्व की आत्माओं को आवश्यकता किस चीज़ की है, जानते हो ना! आज विश्व को खुशी, शक्ति और स्नेह की आवश्यकता है। आत्मिक स्नेह चाहते हैं लेकिन आप ब्राह्मण आत्मायें अभी समय अनुसार दाता बनो। मन्सा से शक्तियां दो, वाचा से ज्ञान दो और कर्मणा से गुणदान दो। ब्रह्मा बाप ने अन्त में तीन शब्द सभी बच्चों को सौगात में दिये, याद है ना - इन तीन शब्दों को अगर सेवा में लगाओ तो बहुत आत्माओं को सन्तुष्ट कर सकते हो। वह तीन शब्द हैं - निराकारी, निरहंकारी और निर्विकारी। तो मन्सा

Need of Hour

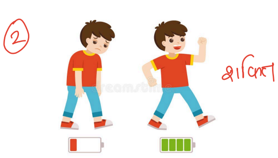

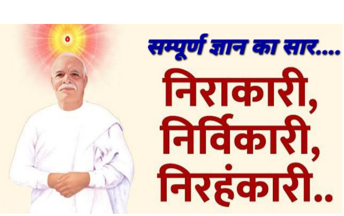

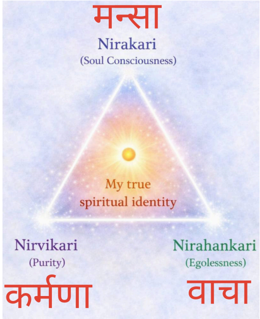

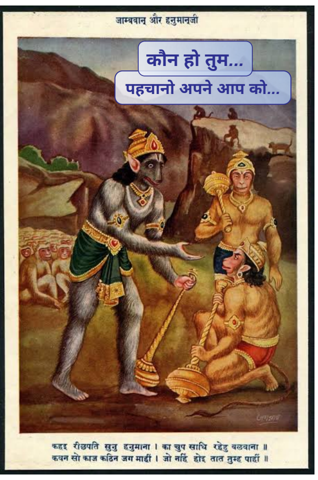

द्वारा निराकारी, वाचा द्वारा निरहंकारी और कर्मणा द्वारा निर्विकारी। यह तीनों शब्द सेवा में लगाओ। अभी विश्व को आपके शक्ति द्वारा थोड़ा सा दिल का आनंद, सुख की प्राप्ति हो, सब निराश हैं और आप विश्व के लिए आशाओं के सितारे हो और बापदादा सभी बच्चों को बाप के आशाओं के सितारे देखते हैं। सिर्फ उम्मीदों के सितारे नहीं लेकिन आशायें पूर्ण करने वाले आशाओं के सितारे हो।

Swamaan

A very very very sweet song to submerge in the True love of Supreme → Click

Don't be confused

Mind very well...

Note it down

ये पक्का समझ लो..

बापदादा के पास बच्चों का स्नेह सदा पहुंचता है और सबसे सहज पुरुषार्थ कौन सा है? भिन्न भिन्न पुरुषार्थ है लेकिन सबसे सहज पुरुषार्थ स्नेह है। स्नेह में मेहनत भी मुहब्बत के रूप में बदल जाती है। तो बाप के स्नेही बनना अर्थात् सहज पुरुषार्थ करना। स्नेह में आप सभी अपने को स्नेही समझते हैं, कभी कभी नहीं, सदा स्नेही। जो अपने को सदा स्नेह के सागर में समाये हुए समझते हैं, सदा स्नेह के सागर में समाया हुआ। डुबकी लगाने वाले नहीं, समाये हुए। जो अपने को ऐसा स्नेह के सागर में समाया हुआ समझते हैं वह हाथ उठाओ। सदा?

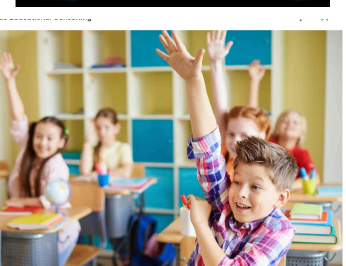

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

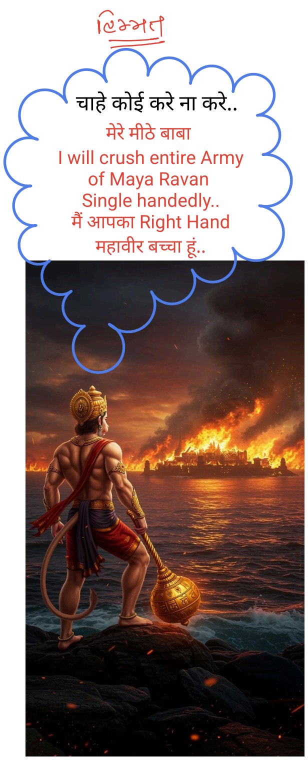

सदा शब्द को अण्डरलाइन करो। हाथ उठाओ, सदा, सदा? हाथ तो अच्छा उठाया है। बापदादा हाथ को देखके खुश होते हैं क्योंकि हिम्मत रखते हैं। अगर कुछ कम भी होगा तो याद तो आयेगा कि हाथ उठाया है क्योंकि बापदादा का एक एक बच्चे से अति स्नेह है। क्यों? क्योंकि बापदादा जानते हैं कि यह एक एक आत्मा अनेक बार स्नेही बनी है, अभी भी बनी है और हर कल्प यही आत्मायें स्नेही बनेंगी। नशा है, खुशी है कि हम ही हर कल्प के अधिकारी आत्मायें हैं?

हुए पेश सामने रावण के बोले सभा के बीच में "राम की जय"
सारे महल में मच गया कोलाहल बोला "कौन ये जिसको ना तनिक भी भय"

Click

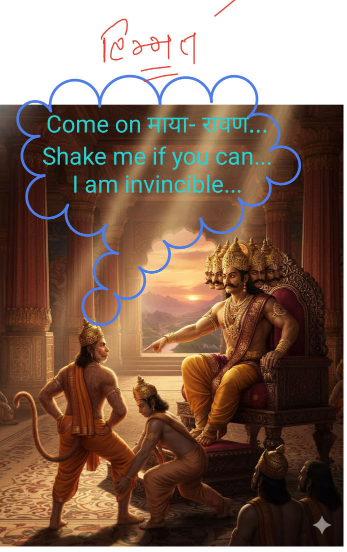

बापदादा ऐसे अधिकारी आत्माओं को देख दिल की दुआयें दे रहे हैं। सदा अथक बन उड़ते चलो। कभी भी अगर कोई परिस्थिति आती है तो स्व-स्थिति को नीचे ऊपर नहीं करो। स्व-स्थिति के आगे परिस्थिति कुछ नहीं कर सकती।

New commers

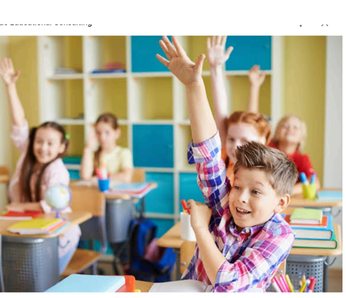

अच्छा, पहली बारी कौन आये हैं, वह हाथ उठाओ। बहुत आते हैं। बापदादा को एक एक बच्चे को देख

How Sweet...!

नाज़ है - वाह मेरे बच्चे वाह! जैसे आप दिल में गीत गाते हो ना आटोमेटिक वाह बाबा वाह! मेरा बाबा वाह! ऐसे ही बाप भी बच्चों के प्रति यही गीत गाते कि वाह हर एक बच्चा वाह! क्योंकि बाप को भी कल्प के बाद आप बच्चे मिलते हो और एक एक विश्व के आगे महान है। तो बाप भी गीत गाते हैं वाह बच्चे वाह! वाह वाह हो ना! वाह! वाह! बच्चे हो ना! वाह! वाह! बच्चे, हाथ उठाओ।

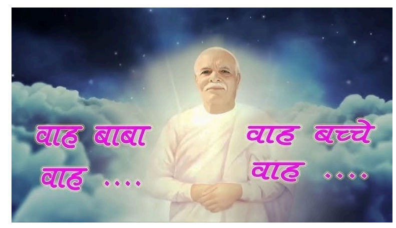

Always remember this..

अभी तो बाहों में झुलाते हो,
पलकों पे अपने बिठाते हो,
ज्ञान रत्न से सजाते हो, मीठे मीठे बोल सुनाते हो।
कैसे भूलेंगे तेरा बाबा, प्यार और दुलार।
कहाँ मिलेगा बाबा ऐसा,
सतयुग में तेरा प्यार

तो सदा यही याद रखो "हम वाह वाह! बच्चे हैं"। चाहे पुरुषार्थी हैं लेकिन हैं वाह! वाह! बच्चे, बाप के वाह! वाह! बच्चे, बाप के साथ ही चलेंगे। रह तो नहीं जायेंगे ना! बाप तो कहते हैं हर एक बच्चे को स्नेह की गोदी में साथ ले जायें। तो तैयार हो! तैयार हैं? रास्ते में रुक तो नहीं जायेंगे? साथ चलेंगे क्योंकि वायदा है, वायदा तो निभाने वाले हो।

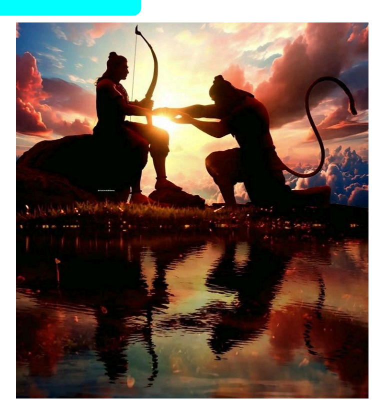

बापदादा हमसे क्या चाहते है?

अभी बापदादा यही चाहते हैं कि फरिश्ता रूप अपना इमर्ज करो। चलते फिरते फरिश्ता ड्रेस वाले

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

हाँ जी मेरे मीठे ते मीठे बाबा...

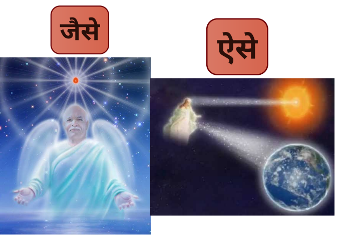

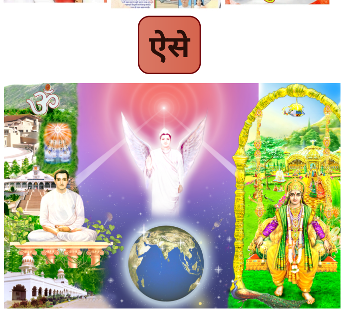

बापदादा हमसे क्या चाहते है?

Homework

अनुभव कराओ। बापदादा ने ड्रिल सुनाई ना। वस्त्र बदली करने की आदत तो है ना! तो जैसे शरीर की ड्रेस बदली करते हो, ऐसे ही आत्मा का स्वरूप फरिश्ता, बार-बार अनुभव करो। फरिश्ता की ड्रेस पसन्द है ना! जैसे ब्रह्मा बाप अव्यक्त फरिश्ता रूप में वतन में बैठे हैं ऐसे बाप समान आप सब भी चलते फिरते फरिश्ते रूप में अनुभव करो क्योंकि फरिश्ता रूप होगा तभी देवता बनेंगे। जैसे बाप के तीन रूप याद रहते हैं ना। बाप, शिक्षक और सतगुरू, ऐसे अपने भी तीन रूप याद करो - ब्राह्मण सो फरिश्ता और फरिश्ता सो देवता। यह तीन रूप पक्के हैं ना! कभी ब्राह्मण की ड्रेस पहनो, कभी फरिश्ते की, कभी देवता की। इस तीनों रूप में स्वत: ही त्रिकालदर्शी की सीट में बैठ साक्षी होके हर कार्य करते रहेंगे। तो सभी से बापदादा यही चाहते हैं कि सदा बाप के साथ रहो, अकेले नहीं बनो। साथ रहेंगे तब साथ चलेंगे। अगर अभी कभी कभी रहेंगे तो साथ कैसे चलेंगे! स्नेही, स्नेही को कभी भूल नहीं सकता। सारे दिन में यह अभ्यास करते रहो। अभी अभी ब्राह्मण, अभी अभी फरिश्ता, अभी अभी देवता। अच्छा।

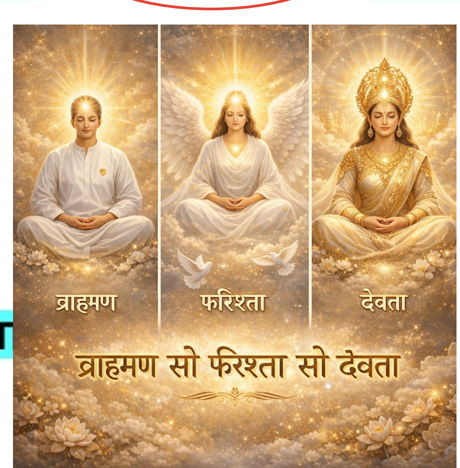

चारों ओर के सर्व बच्चों को जो सदा खजाने से सम्पन्न हैं, सदा अपनी चलन और चेहरे से सेवाधारी हैं क्योंकि आप सबका वायदा है कि "हम विश्व परिवर्तक बन विश्व का परिवर्तन करेंगे", तो चलते फिरते भी सेवाधारी सेवा में तत्पर रहते हैं। ऐसे विश्व सेवाधारी विश्व परिवर्तक हर एक को बाप के खजानों से भरपूर करने वाले बापदादा के चारों ओर के बच्चों को बापदादा का यादप्यार और दिल से दुआयें और नमस्ते। अच्छा।

मेरे मीठे ते मीठे बाबा...

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Method/Process/Instrument — Outcome/Output/Result

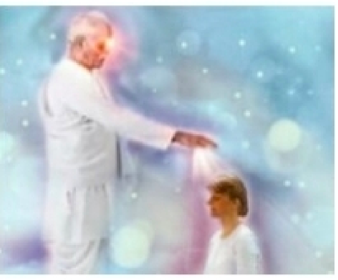

15-03-26 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "अव्यक्त-बापदादा" रिवाइज: 24-03-09 मधुबन

वरदान:- मास्टर त्रिकालदर्शी बन हर कर्म युक्तियुक्त करने वाले कर्मबन्धन मुक्त भव

Finale Achievement

जो भी संकल्प, बोल वा कर्म करते हो - वह मास्टर त्रिकालदर्शी बनकर करो तो कोई भी कर्म व्यर्थ वा अनर्थ नहीं हो सकता।

Definition of त्रिकालदर्शी अर्थात् साक्षीपन की स्थिति में स्थित होकर, कर्मों की गुह्य गति को जान-कर इन कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म कराओ तो (1) कभी भी कर्म के बन्धन में नहीं बंधेंगे।

(2) हर कर्म करते कर्मबन्धन मुक्त, कर्मातीत स्थिति का अनुभव करते रहेंगे।

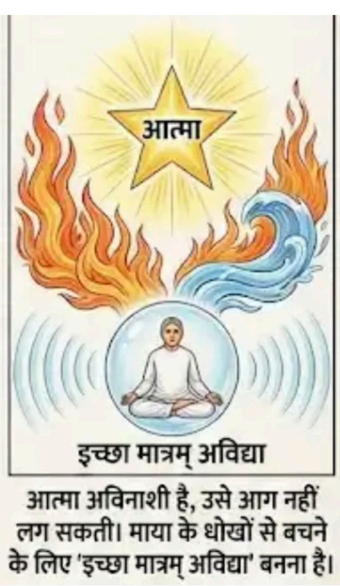

स्लोगन:- जिनके पास हद के इच्छाओं की अविद्या है वही महान सम्पत्तिवान हैं।

God's *Definition of*

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये अव्यक्त इशारे-

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

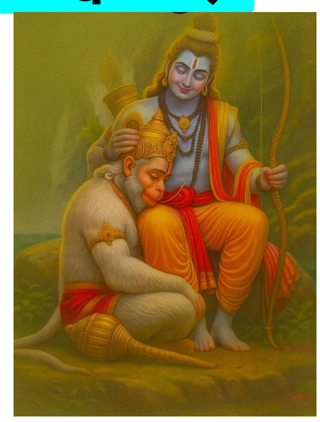

जैसे पहरे वाला चौकीदार अगर शस्त्रधारी होता है और उसको निश्चय है कि मेरा शस्त्र दुश्मन को भगाने वाला है, हार खिलाने वाला है तो वह कितना निर्भय हो करके चलता रहता है।

Alway be aware about What you have

तो आप के पास भी सर्व शक्तियों रूपी शस्त्र सदा साथ हैं, सिर्फ आवाह्न करो अर्थात् मालिक बन आर्डर करो तो सफलता सदा हुई पड़ी है।

Subtle Point to understand

This entire universe is like a coding, whose programmer is sweet ब्रह्मा बाबा

It is just like a programmer creates a software/game but it only runs when electricity will flow through it (without electricity, the coding is useless)

Similarly, through ब्रह्मा बाबा's thought the entire universe is coded/programmed but the required source of electricity is provided by Shiv baba

Hence, Shiv baba has to stay away from the coding/drama to provide uninterrupted power supply

Moreover through this, we can understand that Shiv baba is father and ब्रह्मा बाबा is Mother of entire universe

If we have divine vision to see this coding of universe
Then
It would be seen like this 👇

Click

That's why अगर ड्रामा को सही रीति समझना है एवं माया पर विजय प्राप्त करनी है तो शिव बाबा, ब्रह्माबाबा और मम्मा सिर्फ इन तीनों को ही *Blindly follow* करना है

That's All

हनुमानजी की भी महिमा इसीलिए है क्योंकि उन्होंने सिर्फ इन तीनों को ही सम्मुख रखा है (और कोई भी माना कोई भी नहीं)
Example: राम (शिव बाबा) लखन (मम्मा) सीता (ब्रह्माबाबा) मन बसिया..

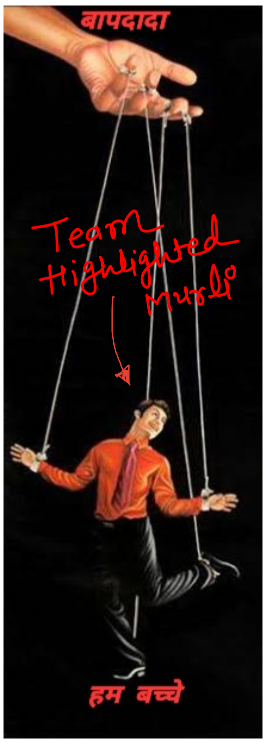

ओम शांति,

30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते है ? (अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुजाव एवं प्रतिभाव हमे आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते है। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए है)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में बल मिल सकें ।

शुक्रिया, ओम शांती।

Link of Google Form ===> **Click**

Team Highlighted Murli

पिछले साल बहुत सारे अनुभव प्राप्त हुए थे उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे है जो आपके पुरुषार्थ में बल भरेंगे

"Highlights Murli मुझे सदा सामने रेहने से बाबा के श्रीमत सदा साथ रहने का अनुभव होता . Point पडने से खुशी का पारा सदा ही चढा रहता है साथ साथ Highlight होने से चारा ही subject के मुरली में से मुख्य point सदा यॉंद रहते है"
— BK Sachin ज्ञान में- 23 Year From:- Pune Maharashtra

I love reading highlighted murli. It explains with example and small pictures which is very helpful
— Gayatri Sharma ज्ञान में - 5 years From: Winnipeg, Canada, Manitoba

I have seen improvement in my Purusharth due to understanding murli points through this diagrammatic form of Baba's letter. It is very interesting and powerful technique to remember murli points throughout the day.
—Asha savlani ज्ञान में-30 yearsFrom:- Pune Maharashtra

Om Shanti bhai ji, m UPSC ki preparation kr rhi hu, murli pdhna usme imp. Kya h ye smjhna bhut muskil hota tha starting m , but jb se aapki highlited murli pdhne lgi hu ...murli k points bhi yaad rhte h.....aur jo picture add kr dete h aap ,usse toh murli k imp. Point ko yaad rkhna bhut easy ho jata h.....aise hi easy way m murli laate rhtiye✨✨✨bhai ji thnx ....shiv baba bless u✨✨
---BK Neetu ज्ञान में- 2(seriously from 6 month) From: Pratapgarh Uttar Pradesh

"हर हाईलाट कलर से किस को भी आसान तरीके से समझा सकते है, ओर ज्ञान, योग, धारणा, सेवा, अच्छी तरह समझ आती है. एसली ऐ बहुत ही सुंदर सेवा कर रहे है."
—Bk Rohit b langhnoja ज्ञान में-16 yearsFrom:- Surendranagar; Gujarat

Amazing seva baba has given yiu!! Every soul must be showering you with so much love n blessings and Bab bhi bahut khush hote honge
--- Neha khandelwal ज्ञान में-Bachpan se From: Kanpur Uttar Pradesh

"Aap bahot achi seva kr rhe h. M aapki hi pdf se murli padhti hu. Or jo photos, songs, clips dalte ho usse bahot acha clear hota h. Please Continue doing the work. Thank you Baba Om shanti 🙏"
---Priya Saini ज्ञान में- 4 mahine From:- Rajasthan, Jhunjhunu ,gyan Jaipur devi nagar centre se lia

purusharth me tivrata aati aati he... bahut accha he mere liye... padhne me bhi clerity rahti he... yad bhi acchi tarah raheta he... good job kar rahe ho... chalu rakhna...
— Modi Minal ज्ञान में- 45 years From:- Ahmedabad, Gujarat

This highlighted Murli helps a lot to understand and seek the knowledge, specifically for the new comers like me those don't take regular classes at centre. I did online Rajyoga course in 2018 and again at centre in 2024. This is a great initiative. Thank you so much. Om Shanti 🙏
— Raveena Batra ज्ञान में - 6 year From: Sonipat, Haryana

"Dear team, Om Shanti. Its eadg to remember murli through picture format. Much appreciated thank you so much."
— A. Suryasree ज्ञान में-15 yrs From:- Sheffield UK

"You are doing Very unique Service. Murli become very easy to understand with illustrations and highlighted points of GYDS I share it even to my class matas and show them the illustrations while read Murli in class. All Godly students taking benefit to understand and remember Murli points. I feel this is Baba's very Special service by special quality souls. Heartiest Blessings Blessings and Blessings 😇😇 Om Shanti "
—BK Meena Bharti ज्ञान में- 23 years From:- Ghumarwin, Himachal Pradesh

"It is very interesting to read this highlighted Colourful Murli with lots of pictures and important informations along with this. Emojis used are also very useful to understand the emotions.. love to read it ❤️ Extremely thankful to all of you for the efforts... bahut dhanyawad 🙏👍❤️❤️"
— Manju Sharma ज्ञान में- 6yrs.From:- Rewari Haryana

Om Shanti, I came into gyan in 1981 in Kenya where I am born. My yugal was first. As Baba says charity begins at home, we also introduced my lokiks to knowledge and we all started following Baba's knowledge.
I started reading the highlighted Murli quite a number of years ago when both the Hindi & English were done from the same portal. I find it easy to read because of the large fonts. Also highlighting the 4 subjects makes it easy to revise after having heard the Murli on line as I do in Nairobi. As I cannot remember all the Murli points because of age (83yrs) I like the main ones which marked. I try to keep one or two in mind throughout the day and also look at the highlighted Murli at every opportunity.
I think you are doing wonderful service particularly for older gyani souls. Please continue the good work and I wish you the best.
Another point I forgot to mention is the photos that you show beside the text. It makes remembering that particular point easy to recall. Also the points that are written from your own churning of the knowledge are useful.
IBY
BK DINKER
NAIROBI CENTRE.

I AM IN GYAN AT THE AGE OF 12 YEARS I ALWAYS WANT TO EXPLAIN THE MURLI WITH WORLD EXAMPLE LIKE IF BABA SAID COMPANY MATTERS ALOT THEN I TRY TO FIND OUT ON THE GOODLE WHAT GREAT PERSONALITY LIKE KABIR DAS , GANDHI JI AND OTHERS SAID ABOUT IT BUT WHILE STUDYING THE MURLI THROUG HIGHTED POINTS BABA HELPS ME ALOT .
YEAH NAA SIRF MUJH KUMMARI ME GYAN KA NASA BHARTA HAI BALKI JB MAE MURLI CLASS ME SUNATI HU TOH BAKI AATMAO KO BHI MAZA AATA HA.
#MURLI #PICUTURES OF SATYUG #EXAMPLES #NEW METHOD AND UNIQUE MENTHOD OF SEWA THANK TO SHIV BABA

--ARCHANA KUMARI (SHAKTI BEHAN) ज्ञानमें- 15 years From - HAZIPUR BIHAR

gita Pathshala me baba ne seva di to ye mere liye ek sundar saugat hai samzane ke liye dil se shubh kamna shubh bhavna deti hu aap ke bhehtarin se ke liye baba yaisi hi seva last tak aap se karvayega ji 👌👌🙏🙏

-- Bk suchitra Bhawsar ज्ञान में- 11 years. from: Durg 36garh

OM SHANTI...Its informative and interesting to read BABA's MURLI in colored format as lot of related pictures ,information and attention points sometimes funny pictures are there, this help us to remember Murli. Since i am working as Professor in Medical College ,in the morning i read black and white, and afternoon apne department mein... jab hum detail mein samajhte hain to highligted colored murli read karte hain, baba ke naye bachche unko bhi jab murli sunate hain to colored hi dikhate hain to unko samajhne mein easy rahta hai....LOT OF THANKS TO SHIIV BABA and TEAM...dil se shukriya and blessings!!!!!!!

--- Reema kumari gyan- 11 years from- Lucknow Uttar Pradesh

Highlights helps to categorize 4 subjects

-Poonam Gujral ; gyan: 32 years, from San Francisco, USA

High lighted Murli high lights are Pictures, under lines, high lighting points with colors also points taken from other stories like Kabir das and scriptures etc. High lighted murlis helps to remember murli very well gives an entertainment of study rather then boring. High lighted murli Increases murli sweetness helps to understand deeper points makes our Yog powerful. Thank you for all efforts and team for doing such a wonderful job. Dil sa Shukriya

--Bk Goutham , gyan- 20 years, from- Farmington Hills, Michigan, USA

Highlighted Murli helps understand the main points. The Pictures put in helps to remember the points throughout the day. It works wonders in our mind to remember anytime in the day. Now Murli points cannot be forgotten due to Highlighted Murli group's commendable efforts.

--- BK Mandar Tamhankar Gyan: 20 years from- Pune , Maharashtra

Hilighted murli se muz atma ko bahut fayda hua hai. Thanks. Thanks to baba and nimitta bane hilighted murli team members. Isme diye gaye points aur references, explanation, inke dwara baba muze purushrth me aage badha rahe hai. Daily murli ka itna abhyas karke muz atma ko murli ki achi samaz milti hai...isse murli points yad rahane me bhi aasani hoti hai

Susmita Rao. gyan- 13 years from- Mumbai

High lighted मुरली से main पॉइंट्स को जानने समझने में बहुत ही मदद मिलती है खास करके चारों सब्जेक्ट ज्ञान, योग, सेवा, धारणा के बाबा के महावाक्य को बड़े आसानी से मालूम हो जाता है जिनको मनन करने में सहायता मिलती है... वाक्य में यें आपका बहुत ही सराहनीय कार्य है व बहुत ही नये तरीके की सेवा है, बाबा से प्रार्थना है यह ग्रुप दिन दुगनी प्रगति करता रहे। ओमशान्ति 🙏🙏

Bk Suresh gyan-35 years , from - palwal, haryana

हायलाईट मुरली पढने से मेन पॉईंट ज्ञान योग धारणा सेवा की बुद्धी मे बैठती है पॉईंट्स से रिलेटेड फोटो जो होते है उसे वह पॉईंट ध्यान मे रहती है ओम शांती🙏💥
-- Sangita Udakhe, gyan- 20 years, from - Yavatmal, Maharashtra

Highlighted Murli se easy ho jata hai . Important points yaad karne mein easy hota . Murli bhi achi tarah samajh ati hai . Jo song ke link main madhuban murli m nahi hota woh highlighted murli m mil jata hai . Sujhav yeh hai ki murli m jo kahawatey ati hai unko pura complete karke jarur bheje n jo kahani baba example dete hai uska link bhej de taki hum us kahani ko padh sake agar nahi maloom ho toh . Thank you very much , great service you are doing . Baba bless the team .

– Ritu Chawla, gyan- 7 years, from - kuvait, gulf country

From very log time I am visiting this site for murli and other sewa and also seen Highlighted murli but from sometime I am regularly referring Highlighted murli. The team is really doing good job and its very easy to remember the murli points.
The hyperlinks, Pictures, written text with experience sharing and legends at the bottom of every page make it a proper formal document. Its really looks like a professionalism in spirituality.

Congratulations. :-)

– HRISHEESHWAR KAUSHIK. Gyan:from childhood From:Delhi, Shahdara

Highlighted Murali made to understand easily the four subjects Gyan Yog Dharana aur sewa. Pictures also connects fast, what baba wanted to tell us. Thanks baba thanks team.

– Sulckshna Saidha gyan:15 years From: Dehradun Uttarakhand

Dear Team - Highlighted murali helped a lot. Everyday i will be so excited to read in this highlighted form, its very easy to understand, remember, Dharna. Pictures helps a lot for memorising. I am able to tell Murali points easily. This has helped me in driving my attention and interest for Murali. I request the team to please continue. Om Shanti

— Lalitha; Gyan- 7 yearsBangalore, From:- Hosa road, Karnataka

Om shanti, mein pichle 4 saal se highlighted murli padhti hu, mujhe bahut achha lagta h ise padhna. Isme jo emoji hote h unhe dekhkar murli ka point easily yaad bhi rehta h aur ek emotion bhi jud jata h uske saath, murli me jo link diye hote h vo bhi bahut useful hote h.
Mera ye suggestion h ki abhi baba ne sunday ki murli k vardan me kaha ki jab vinashkal bhulta h to hum albele ho jate h, to vinashkal par chali murli k pages ya link bhi daily murli k saath dale jae jisse hum alert rahe. Sister BK kusum aur unki team ka aur Baba ka bahut bahut shukriya🙏🥰🥰 om shanti

— Manju Sharma ;Gyan:6yrs.; From:- Rewari Haryana

It reminds me of my medical study days, I used to study like this. HIghlighting and writting in pointwise manner makes murali easy to remember. Colour codes distinguish between all four subsets of murali like Gyan, yog, dharana and seva. Pictorials help to relate and memorise it better. Colourful highlights make it very attractive. Great efforts by team. Shukriya BABA

—Kumud ; gyan:-चार साल From:- Mumbai, Maharashtra

बड़े अक्षर पड़ने में सरल लगता है और आपके pictures और extra points को नोट करते है
Life is Drama
The World is a stage
Men are actors
God is the creator, Director & Principal Actor
इसमें सारा ज्ञान समा हुआ है। दूसरों को इससे समझाने की कोशिस कर रहा हूँ.
पर मुझे अभी तक एक बात समाज में नहीं आ रहा है की आप चारो subjects को कैसे अलग कर highlight करते हो
Thank you, keep it up

--- Shivkesh; Gyan:- 4 years from:- HyderabadTelangana

bahut sarl shaj tarki se yad karne me help milta hai
sabhi time members ko tahe dil se sukriya🙏
sukriya methe baba💕

— narendra gyan :-16 years From:- seoni Madhya Pradesh

मुझे हाइलाइट मुरली बहुत अच्छी लगती है चित्रों के द्वारा मुरली अच्छी तरह समझ में आती है और मुरली के पॉइंट्स अच्छी तहत याद आती

--- Asha devda Gyan:- 7 year; From:- Jhalawar Rajasthan

Few more

Your picturesque according to the meaning of the word or the context and your remarks such as "point to be noted, Wah wah, wah baba wah, self checking, simple logic, be prepared, mind very well, how great are we and so on....."Some Slokas, quotes from devotional scriptures are promoting a great deal of understanding and interest in reading Murli with its actual meaning according to its context. Thanks 🙏 for your Godly service for all seekers of knowledge.
Omsanthi.

Bk Narasimhulu Somisetty; ज्ञान में: 25 years; From: Sathupally; Khammam district Telangana

ओम शांति
हाइलाइटेड मुरली इंस्टेंट ज्ञान खजाना है जिसमें मुझ आत्मा को मुरली के सही दिशा में चिंतन मनन में सहयोग मिलता है
आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद है जो आप मेहनत से हम सब ज्ञान पिपासुओं को तृप्त कर रहें हैं

Bk Alok ; ज्ञान में:18 years; From: Badaun, Uttar Pradesh

Since I started reading this murli, I am understanding Babas Gyaan better. Your click buttons, simple explanations give me lot of clarity. I don't have to listen to any other teacher. Thankful to final destination and Murli to take me forward in pursharth. Baba bless you always for this amazing seva

Rita Soman; ज्ञान में:14yrs ; From: Pune, Maharashtra

I like all the photos attached as you remembers the main points of Murli and you get the feel of what Baba is trying to tell us. It also gives us intoxication.

Yogesh Kumar
Gyan: 4 years, From:- Coventry, West Midlands UK , England (UK)

Its very catching to mind as the pictures n highlights with colour get absorb in brain very quick.More over this beautiful effort of highlighting all the four subjects with different colour makes it very convenient to focus on the point instantly for revision. Overall its a great effort Thankyou soooo much Thankyou sweetest baba for so helpful Brahmin Parivaar 🙏🏼

BK Riya Vij Gyan: 15 + years From:- Vaishali, Ghaziabad Uttar Pradesh

It's very helpful to highlight Murlis with pictures to enhance understanding, especially when Baba explains places, things, etc. In the Avyakt Murlis, when Baba speaks to the Dadis, it's wonderful to see their pictures and know which Dadi Baba is referring to. It's a great effort by all of you! Every day, I feel excited to read the colorful Murlis. Thanks to Baba's children for the great job!🙏🙏

Balbir kaur ; ज्ञान में: 12 years; From: Sacramento California USA

Murli se very powerful yog or pure din avstha achi reh ti hai highlight Murli bahut achi lagti hai thank you so much 🥰

Reena Mangukiya ; ज्ञान में: 4 years ; From: Surat Gujarat